रंग - भरा इन्द्रधनुष है ज़िन्दगी

रंगों का खेल है ज़िन्दगी
हम इसे खेलना ही है
ज़िन्दगी के उदय से अस्त
तक रंगों का खेल है

कई रंगों के पन्नों का
किताब है ज़िन्दगी
हर दिन हरेक रंगों का
पाठ हम सीखते हैं

पत्थरों काँटों से भरी
शरते की ओर धीरे - धीरे
आगे चलने वाली रंगीन
यात्रा है ज़िन्दगी

शांत सुन्दर निर्मल रंग का
आसमान जैसा है ज़िन्दगी
उड़ते उड़ते रंग फैलाते
ऊँची शिखर तक पहुँचना है

उड़ते वक्त कई रंगों से
भरना है
यही है मेरा सपना
सपने दिखाकर उड़ते हैं

भरना है ज़िन्दगी में
मानुष्यता का, प्यार का,
करुणा का, सहायता का,
सहानुभूती का सफेद रंग

मुझे छोड़ना है ज़िन्दगी में
क्रोध का, विद्वेष का,
झूठ का, बुराई का,
संघर्ष का काला रंग

पल पल रंग बदलता है
ज़िन्दगी में, न जाने
कितने रंगों का खेल खेलते
यह ज़िन्दगी आगे बढ़े

केवल एक शब्द नहीं
इन्द्रधनुष जैसा ज़िन्दगी
एक महा नाटक है... कितने
रंगों का वेश पहनकर खेलता है

ईश्वर का वरदान है
इन्द्रधनुष जैसा ज़िन्दगी
नहीं खरीद सकते
इन्द्रधनुष और ज़िन्दगी कभी

इन्द्रधनुष का मायाजाल
देखो, कितने रंगों से बिखरे हैं
बदलना है ज़िन्दगी का हर पल
हरेक रंगों को

हे ईश्वर तुम्हें प्रणाम
इन्द्रधनुष जैसा सैकड़ों प्रणाम
मुझे झुकते हूँ
यह रंग भरा ज़िन्दगी कभी

यह इन्द्रधनुष जैसा ज़िन्दगी का
वेश पहनकर थक गई हूँ
क्या मैं ? थक नहीं हूँ, मुझे
लटना है जीतना है हर क्षण

एक काग़ज़ पर लिखन पर
भी ग्रायक नहीं होता मन
में खिलते इन्द्रधनुष और अंत
न होता रंग-भरा ज़िन्दगी की कहानी...